27 अक्टूबर, 2016

प्रेस विज्ञप्ति

जामिया मिल्लिया इस्लामिया के 96वें स्थापना दिवस समारोह का उद्घाटन

यूजीसी के चेयरमैन प्रो. वेद प्रकाश और पूर्व चुनाव आयुक्त श्री एस.वाई. कुरैशी ने आज दिनांक 27.10.2016 को जामिया मिल्लिया इस्लामिया के 96वें स्थापना दिवस समारोह "तालीमी मेला" का उद्घाटन किया। एनसीसी कैडेट द्वारा दोनों अतिथियों को गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया और जामिया तराना एवं ध्वजारोहण के साथ समारोह की शुरूआत हुई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि चेयरमैन, यूजीसी और विशिष्ट अतिथि पूर्व चुनाव आयुक्त श्री एस.वाई. कुरैशी थे। औपचारिक उद्घाटन के बाद उन्होंने "तालीमी मेला" में लगे लगभग पचास स्टॉलों का दौरा किया और वहाँ पर उपस्थिति विद्यार्थियों और संकाय सदस्यों से बातचीत की। सबसे पहले वे फोटोग्राफी स्टॉल पर गए और उसके बाद इनोवेशन, हॉल ऑफ गर्ल्स, डिस्टेंस एवं ओपन लर्निंग, मकतबा जामिया, हॉर्टिकल्चर, इंडियन नेवी एवं एयरफोर्स आदि स्टालों पर जाकर उनके बारे में चर्चा की।

इस अवसर पर प्रो. वेद प्रकाश ने कहा कि यह "तालीमी मेला" तालीम की शक्ति को दर्शाता है और यह संकेत करता है कि किस प्रकार स्कूल और विश्वविद्यालय समाज के मार्ग–दर्शन का काम कर सकते हैं और ये खासतौर से उस समय ज़्यादा ज़रूरी है जब–जब समाज किसी समस्या का सामना कर रहा हो। ऐसे समय में विद्यार्थियों को अपने दायित्वों के प्रति सचेत रहना चाहिए। विश्वविद्यालय के रूप में जामिया की प्रशंसा करते हुए उन्होंने कहा कि 96 वर्ष एक लम्बा अरसा होता है जिसे जामिया ने सफलता एवं सार्थकता के साथ पूरा किया है। यहाँ जामिया को एक बार फिर से देखना चाहिए कि जामिया किन परिस्थितियों में और कैसे–कैसे आगे बढ़ा? विद्यार्थियों को अपने परिवार, समाज और आर्थिक स्थिति को बेहतर बनाने के प्रयास करने चाहिए। उन्होंने कहा कि 'महत्त्वपूर्ण है लाइफ लॉग लर्नर बनना, आगे बढ़ने के लिए सपने देखना और सपनों को पूरा करने की कोशिश करना, लेकिन सपने पूरे न भी हो तो रास्ता बदला जा सकता है, सिद्धांत नहीं'। उन्होंने प्रसन्नता ज़ाहिर की कि जामिया प्रोफ़ेसर तलत अहमद के नेतृत्व में नई ऊँचाईयों पर जा रहा है।

श्री एस.वाई. कुरैशी साहब ने बताया कि वह जामिया के पूर्व छात्र हैं और उन्हें इस बात पर गर्व है कि उन्होंने जामिया से पी.एचडी. किया है। जामिया के "तालीमी मेला" के बारे में सुना बहुत था लेकिन पहली बार यहाँ आने का मौका मिला है। उन्होंने बताया कि वह एंग्लो–अरबिक स्कूल में पढ़े हैं जोकि एक बहुत पुराना स्कूल है। उन्होंने याद दिलाया कि शिक्षा के बिना तरक्की संभव नहीं है लेकिन उन्हें मायूसी होती है कि जो इस्लाम शिक्षा का और महिलाओं की बराबरी का अग्रदूत समझा जाता है लेकिन उसकी बच्चियाँ तालीम से दूर हैं और उसी समुदाय में शिक्षा का प्रतिशत बहुत कम है। श्री एस.वाई. कुरैशी ने 'भारतीय प्रजातंत्र और चुनाव व्यवस्था' पर पॉवरप्वाइंट प्रस्तुति दी और भारतीय लोकतंत्र की प्रशंसा की। उन्होंने "तालीमी मेला" की सराहना की।

जामिया कुलपति, प्रो. तलत अहमद ने कहा कि चार साल बाद जामिया अपने सौ साल पूरे कर लेगा और उन्हें उम्मीद है कि जामिया को नई ऊँचाईयों पर ले जाने में उन्हें विश्वविद्यालय के सदस्यों और भारत सरकार का पूरा समर्थन मिलेगा। उन्होंने 'नई तालीम योजना' का हवाला देते हुए बताया कि 100 स्कूल ड्रॉप आउट बच्चों को किस तरह शिक्षा में लाया गया और अब वे मुख्यधारा की शिक्षा के जुड़कर विभिन्न संस्थानों में उच्चतर शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। जामिया इस तरह अपने अल्पसंख्यक शिक्षा के उद्देश्य को पूरा करने का प्रयास कर रहा है। उन्होंने कहा कि "मेरी दिली ख़्वाहिश थी कि कुरैशी साहब जामिया आएं और यहाँ के विद्यार्थी देखें कि यहाँ का विद्यार्थी किन ऊँचाईयों को छू सकता है।"

"तालीमी मेला" 27 से 29 अक्टूबर, 2016 तक चलेगा जिसमें हस्तशिल्प, खान–पान, शिक्षा, तकनीक, पुस्तक मेला, स्वास्थ्य के स्टॉल के साथ–साथ सांस्कृतिक कार्यक्रमों के आयोजन की व्यवस्था गई है।

प्रो. साइमा सईद
मानद उप मीडिया समन्वयक